KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 2

राजा, किसान और नगर
(आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं)

भाग - 2

महाजनपद

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रारम्भिक राज्य





16 महाजनपद

सोलह महाजनपद

जनपद = जन + पद

- ऐसा भूखंड जहां कोई जन अपना पांव रखता है अथवा बस जाता है।
- 600 ई. पूर्व का समय भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल था क्योंकि यह काल आरंभिक राज्यों, नगरों, लोहे के बढ़ते प्रयोग तथा सिक्कों के विकास के लिए प्रमुख था।
- इसी काल में बौद्ध तथा जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।
- बौद्ध तथा जैन ग्रंथों में ही महाजनपद नाम से सोलह राज्यों का उल्लेख मिलता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जन + पद

16



अंगुत्तर निकाय



16 महाजनपद

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

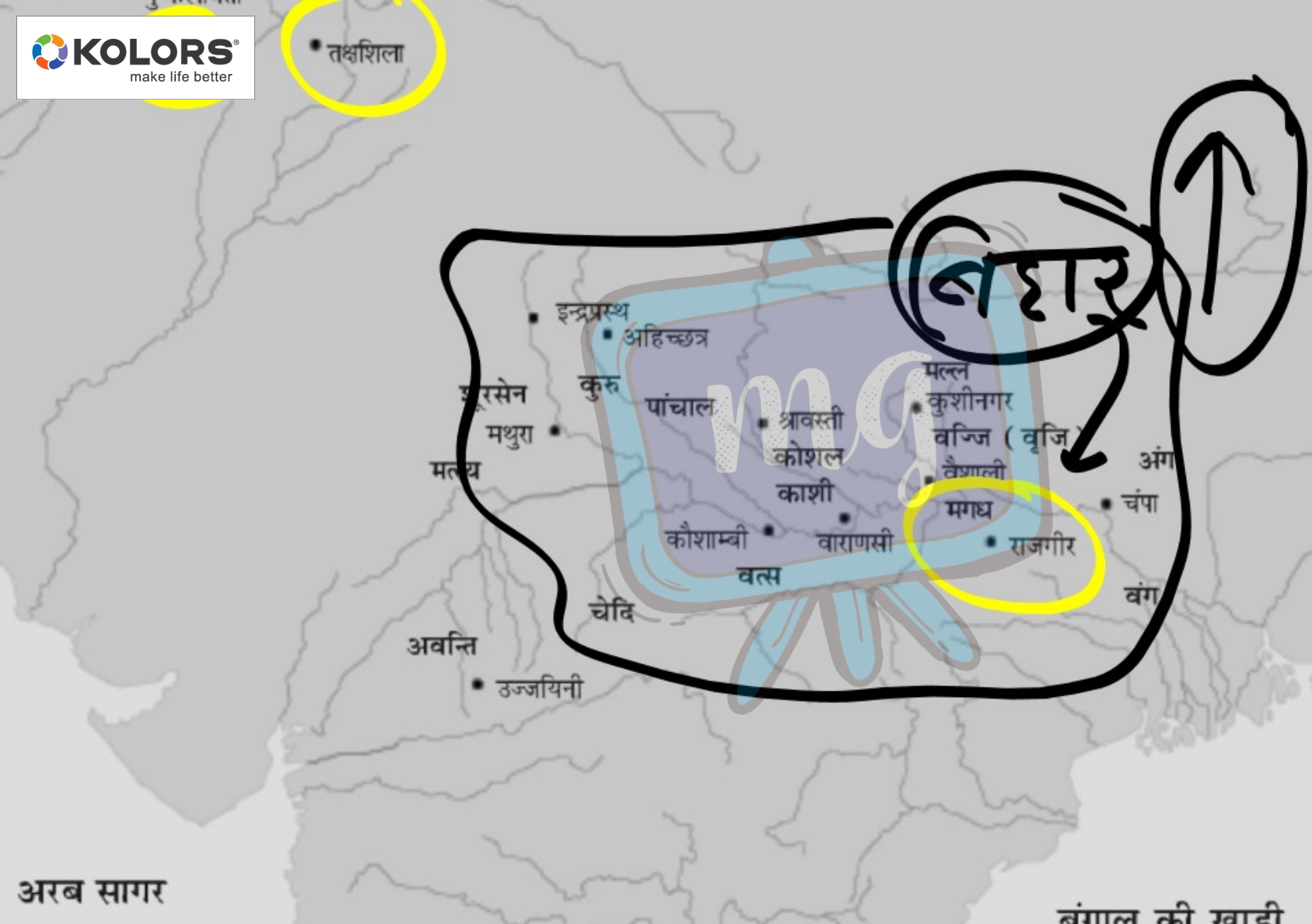

5.
7.
8.
10.
12.
14.
16.

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

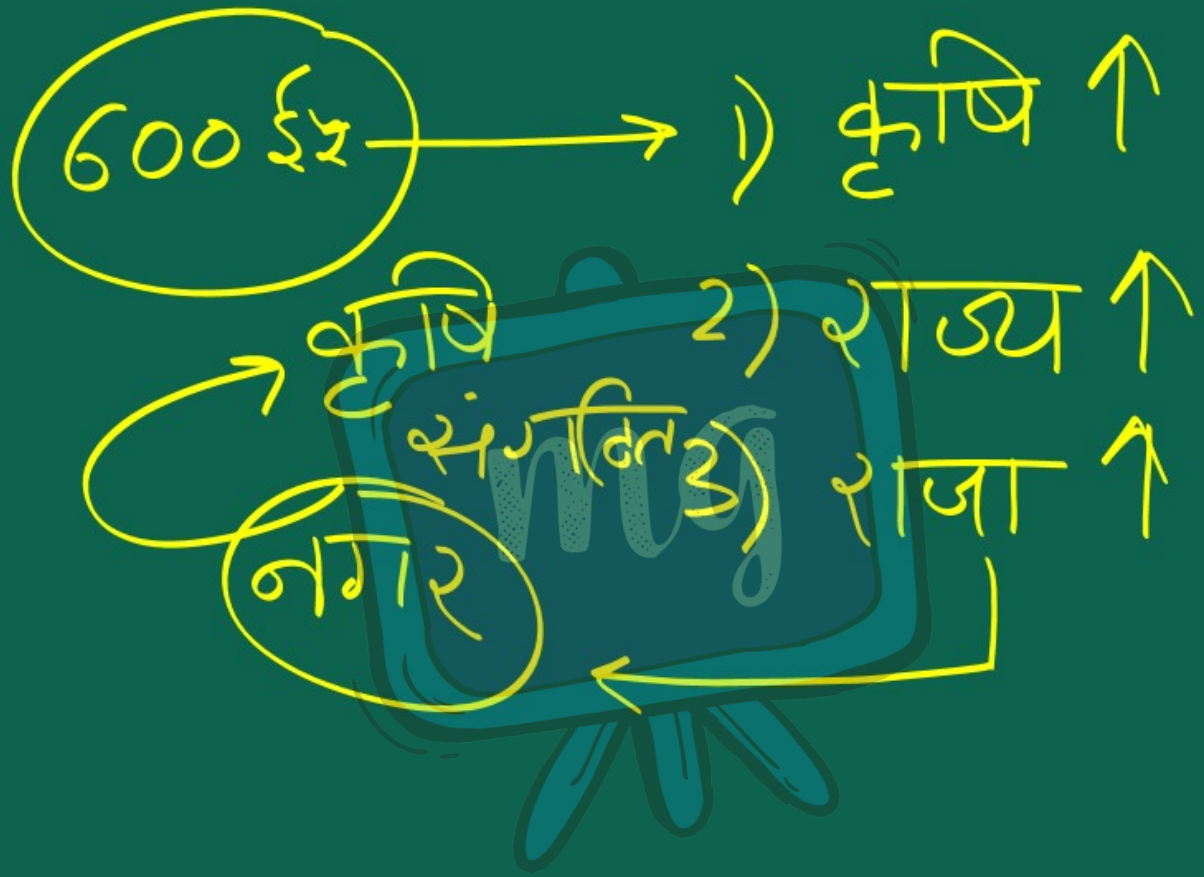

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महाजनपद → राजधानी

राजधानी ← दुर्गीकृत

कर

प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी जिसे प्राय: किले से घेरा जाता था।

किलेबंद राजधानियों के रखरखाव और सेनाओं तथा नौकरशाही के लिए भारी आर्थिक स्त्रोत की आवश्यकता थी। → कर

ब्राह्मण →



लगभग 600 ई. पूर्व में ब्राह्मणों ने संस्कृत में धर्मशास्त्र नामक ग्रंथों की रचना की जिसमें शासक सहित अन्य के लिए भी नियमों का निर्धारण किया गया और यह अपेक्षा की जाती थी कि शासक क्षत्रिय वर्ग के ही होंगे।

धर्मशास्त्र → शासकों/जनसामान्य के लिए नियमों का निर्धारण

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. 600 ई पू के बाद आए राजनीतिक परिवर्तन पर एक लेख लिखते ?

Q. महाजनपदों का उदय किस प्रकार हुआ ?

KOLORS
make life better



कर + भेंट



- शासकों का कार्य [illegible] शिल्पकारों से कर तथा भेंट वसूलना माना ज था।
- संपति जुटाने का एक वैद्य उपाय पड़ौसी राज्यों आक्रमण करके धन इक्ट्ठा करना भी माना ज था।
- धीरे – धीरे कुछ राज्यों ने अपनी स्थायी सेन और नौकरशाही तंत्र तैयार कर लिये जबकि बा राज्य अब भी कृषक वर्ग से नियुक्त की जाने वा सहायक सेना पर निर्भर थे।

कर

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

KOLORS
make life better



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सोलह महाजनपदों में प्रथम – मगध

- 600 ई. पूर्व – 400 ई. पूर्व में मगध (आधुनिक बिहार) सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया।

कारण :–

1. मगध क्षेत्र में खेती की उपज खासतौर से अच्छी होती थी।
2. लोहे की खदानें (आधुनिक व झारखंड) भी आसानी से उपलब्ध थीं जिससे उपकरण और हथियार बनाना सरल हो गया था।
3. जंगली क्षेत्रों में हाथी उपलब्ध थे जो सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे।
4. गंगा व उसकी उपनयियों से आवागमन सस्ता व सुलभ होता था।



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बिंबिसार



अजातशत्रु



महापद्मनंद

5. जैन और बौद्ध लेखकों ने मगध की महत्ता का कारण विभिन्न शासकों की नीतियों को बताया है। इनके अनुसार बिंबिसार, अजातसतु और महापदमनंद जैसे – प्रसिद्ध राजा अत्यन्त महत्वकांक्षी थे और इनके मंत्री इनकी बेहतर नीतियां लागू करते थे।

आरम्भ में राजगाह (राजगीर का प्राकृत नाम) मगध की राजधानी थी। जिसका अर्थ है 'राजाओं का घर'। पहाड़ियों के बीच बसा राजगाह एक किले बंद शहर था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मगध के कारण

1. कृषि
2. धर्म
3. लोहे
4. नदी व्यापार
5. राजा

mg

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4th

मगध



- चौथी शताब्दी ई. पूर्व में पाटलिपुत्र को

KOLORS® make life better

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

शुरुआत → बिंबिसार → अज

हर्यांक वंश (544-492) ई.पू.

शिशुनाग वंश (413-345) ई.पू.

नन्द वंश (345-322) ई.पू.



एक आरम्भिक साम्राज्य : (321 ई. पू. – 185 ई. पू.)

चंद्रगुप्त मौर्य :	(322 – 298 ई. पू.)
बिन्दुसार :	(298 – 271 ई. पू.)
असोक :	(269 – 232 ई. पू.)
कुणाल :	(232 – 228 ई. पू.)
दशरथ :	(228 – 224 ई. पू.)
सम्प्रति :	(224 – 215 ई. पू.)
शालिसुक :	(215 – 202 ई. पू.)
देव वर्मन :	(202 – 195 ई. पू.)
शतधन्वन :	(195 – 187 ई. पू.)
वृहद्रय :	(187 – 185 ई. पू.)

वंश

राजा

बाहरी नम्र वंश

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

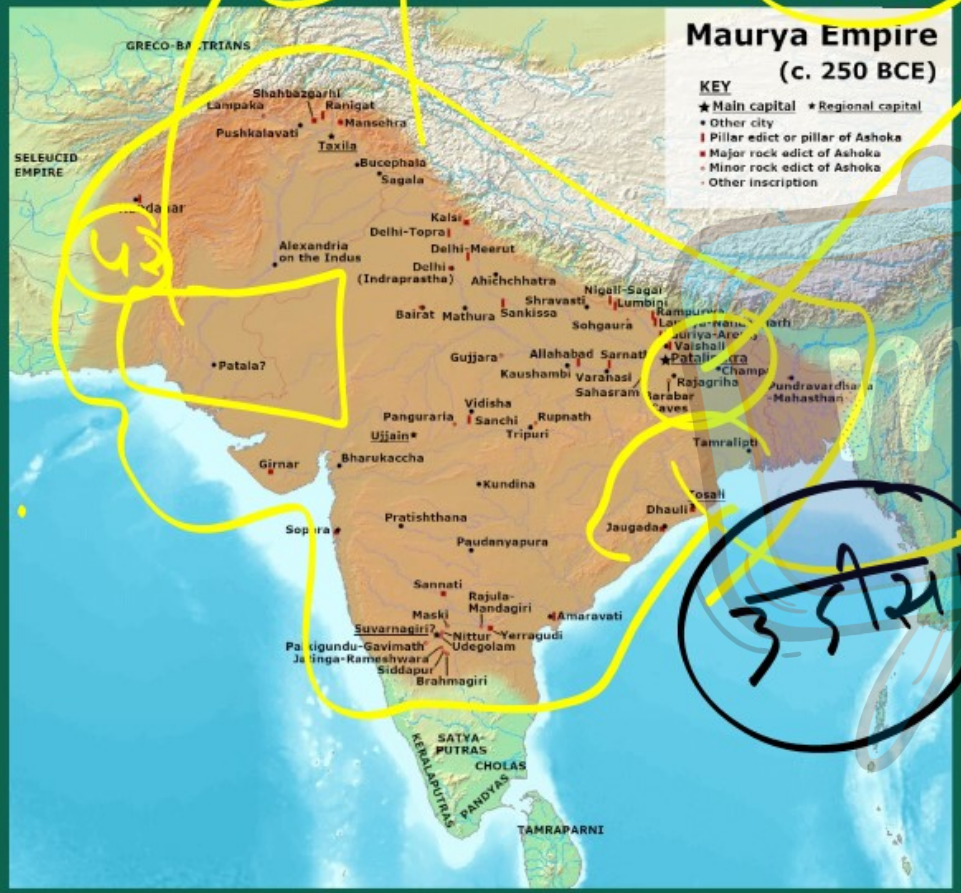

B

मौर्य

पाटलीपुत्र

उड़ीसा

- मगध के विकास के साथ साथ मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ।
- मौर्य समाज के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य (321 ई. पू.) का शासन पश्चिमोत्तर में अफगानिसतान तथा ब्रलुचस्तान तक फैला था।
- उसके पौत्र असोक को आरंभिक भारत का सर्वप्रसिद्ध शासक माना जा सकता है, कलिंग (उड़ीसा) पर विजय प्राप्त की।

अशोक 261 ई.पू.

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

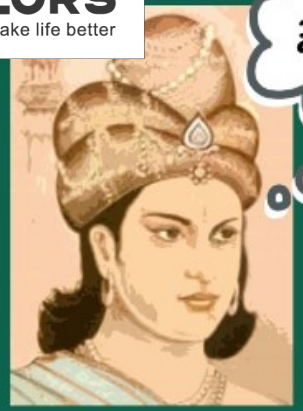

जानकारी के स्त्रोत !

1

1st

शिलालेख, साहित्यिक, मेगास्थनीज

इण्डिका

अर्थशास्त्र

जैन, बौद्ध, संस्कृत ग्रंथ

चाणक्य

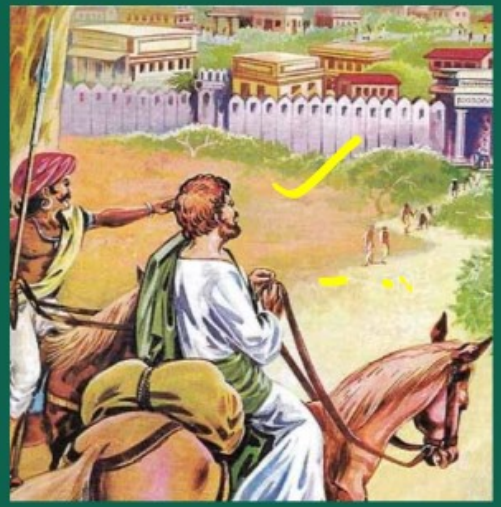

मौर्य वंश के बारे में जानकारी प्राप्त करना:

- मौर्य साम्राज्य के इतिहास की रचना के लिए इतिहासकारों ने विभिन्न प्रकार के स्त्रोतों का उपयोग किया।

1. साहित्यिक स्त्रोत : मौर्यकालीन इतिहास के पुर्ननिर्माण हेतु समकालीन रचनाऐं मूल्यवान सिद्ध हुई।

(a) चंद्रगुप्त मौर्य के दरबवार में आये यूनानी राजदूत मेगस्थनीज द्वारा 'इण्डिका' में लिखा गया विवरण। जिसके अब कुछ अंश ही उपलब्ध है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(b) चंद्रगुप्त के मंत्री कौटिल्य या चाणक्य द्वारा लिखी गयी 'अर्थशास्त्र'

(c) मौर्य शासकों का उल्लेख परवर्ती जैन, बौद्ध और पौराणिक ग्रंथों द्वारा संस्कृत वाङ्मय में भी मिलता है।

2. पुरातात्विक स्त्रोत :

(a) पत्थरों और स्तम्भों पर मिले असोक के अभिलेख सबसे मूल्यवान स्त्रोत हैं।

(b) मौर्यकालीन मूर्तियां भी इसके स्त्रोत हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. महाजनपदों में मगध साम्राज्य का उदय किस प्रकार हुआ?

Q. मगध साम्राज्य के दो महत्वपूर्ण राजाओं के नाम लिखें?

KOLORS
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. मौर्य साम्राज्य के स्रोत के बारे में इतिहासकार क्या जानते ?

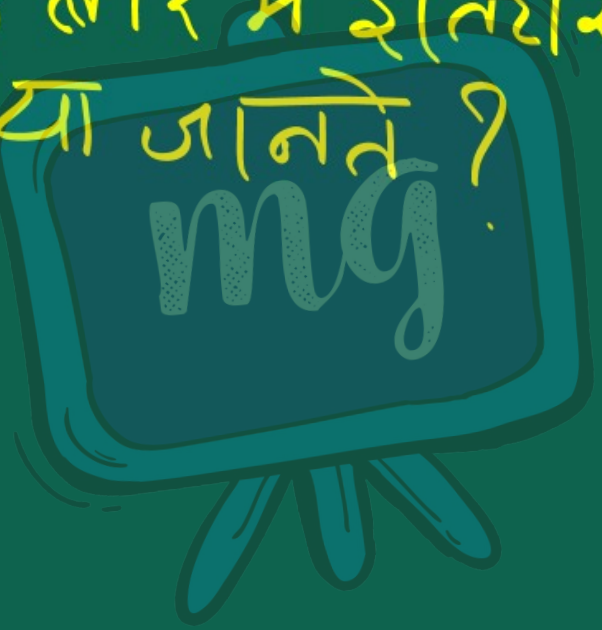

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

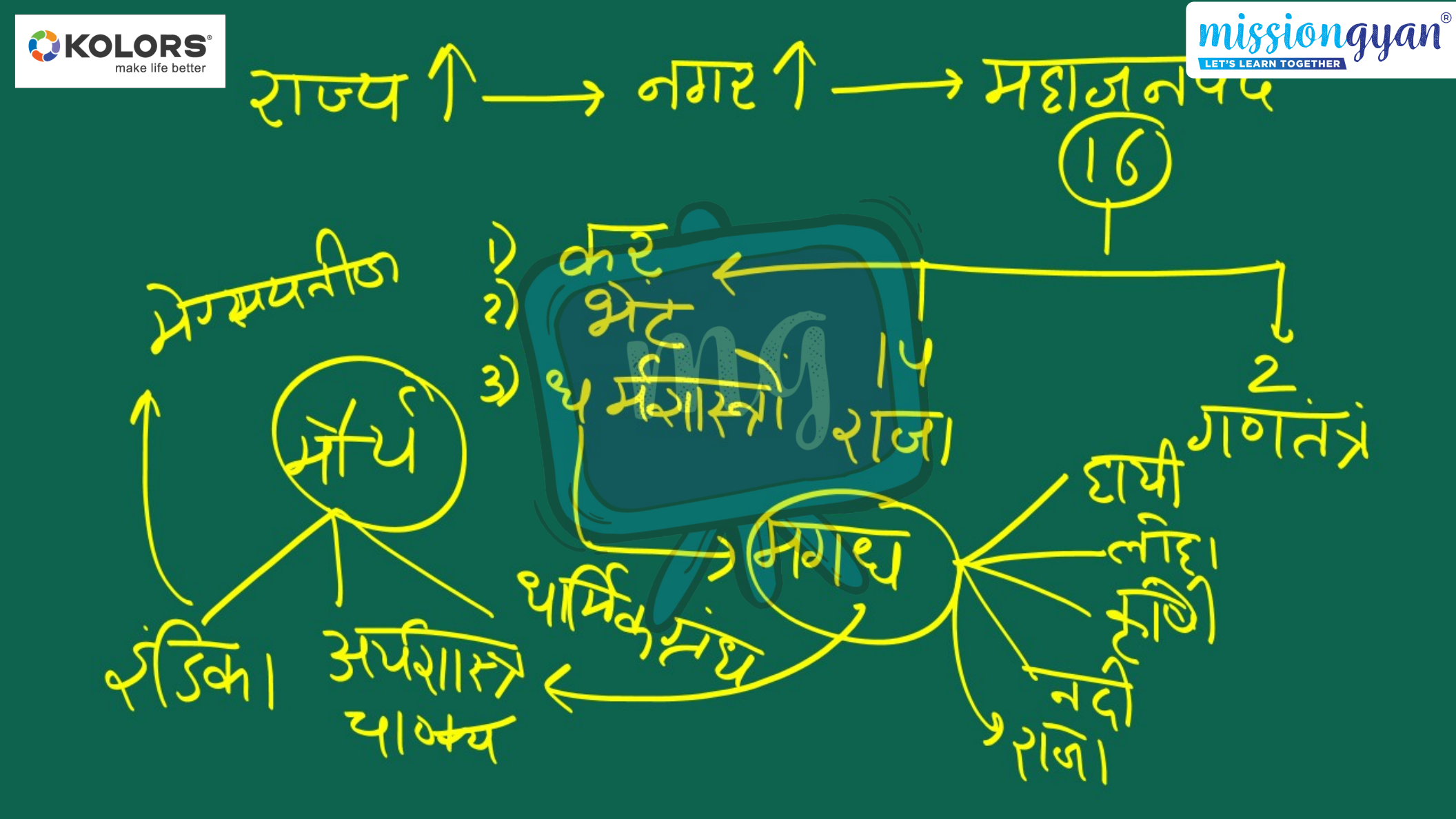

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

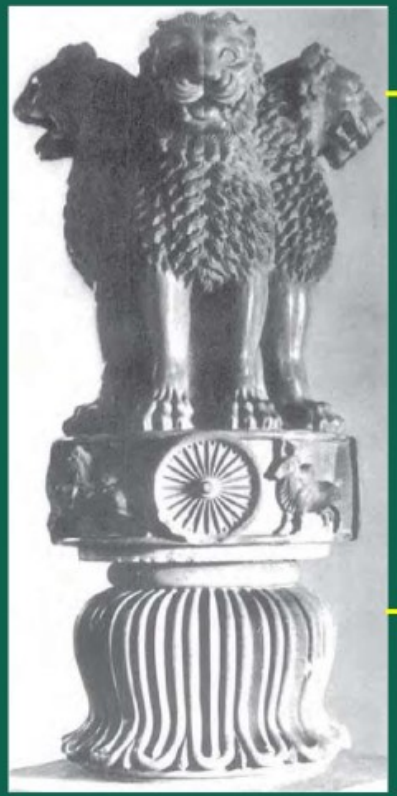

→ प्रजा
+
अधिकारियों
संदेश

→ 'धम्म'
प्रचार

- असोक वह पहला शासक था जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किये हुए स्तंभों पर लिखवाये थे।
- असोक ने अपने अभिलेखों के माध्यम से धम्म का प्रचार किया।